



Press Release

आईआईटी भुवनेश्वर स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2024 के ग्रैंड फिनाले की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार

भुवनेश्वर, 9 दिसंबर 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर 51 अन्य संस्थानों के बीच नोडल एजेंसियों में से एक के रूप में 11 और 12 दिसंबर 2024 को स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2024 के सॉफ्टवेयर संस्करण के ग्रैंड फिनाले की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उल्लेखनीय है कि यह स्मार्ट इंडिया हैकथॉन का 7वां संस्करण है, जिसका आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

देश भर से 26 टीमों, प्रत्येक टीम में 5-6 सदस्यों के साथ, इस मेगा इवेंट में भाग लेंगी और दो दिनों के दौरान कोडिंग और प्रोग्रामिंग में अपनी कुशलता का प्रदर्शन करेंगी। ये टीमों पाँच महत्वपूर्ण समस्या विवरणों के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए एक उच्च-दांव चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेंगी। समस्या कथन हैं: 'स्थायित्व के लिए नवाचार: घरेलू उपकरणों (रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, वाशिंग मशीन और डेजर्ट एयर कूलर) में स्मार्ट संसाधन संरक्षण (ऊर्जा और पानी) को बढ़ावा देना; टेलीग्राम, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम आधारित मादक पदार्थों की तस्करी के पीछे उपयोगकर्ताओं की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर समाधान; क्रिप्टोक्यूरेंसी लेनदेन के अंतिम प्राप्तकर्ता की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर समाधान; वास्तविक समय आपदा सूचना एकीकरण सॉफ्टवेयर; बेहतर उत्पादकता और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एआई, एमएल या किसी भी आधुनिक तकनीक के माध्यम से एल्यूमीनियम वायर रॉड के भौतिक गुणों की भविष्यवाणी'। इनका मूल्यांकन एनडीआरएफ, एनसीबी, मंत्रालय-नवप्रवर्तन प्रकोष्ठ, गोदरेज और नाल्को के मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाएगा।

हैकथॉन के बारे में जानकारी देते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपद कर्माकर ने कहा: "आईआईटी भुवनेश्वर देश के 51 नोडल केंद्रों में से एक के रूप में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024 की मेजबानी करने के लिए उत्साहित है। मैं भाग लेने वाले छात्रों, सलाहकारों और हितधारकों का हार्दिक स्वागत करता हूँ। इस कार्यक्रम की मेजबानी करके, आईआईटी भुवनेश्वर शिक्षा, उद्योग और सरकार के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उत्तरार्द्ध के लिए, संस्थान ने कई प्रमुख पहल की हैं जैसे कि 130 करोड़ रुपये का अनुसंधान और उद्यमिता पार्क बनाना, और 100-क्यूब स्टार्ट-अप पहल शुरू करना, जिसमें न्यूनतम 100 करोड़ रुपये के कम से कम 100 स्टार्ट-अप विकसित करने की परिकल्पना की गई है। ओडिशा के 100वें वर्ष यानी 2036

तक प्रत्येक को 100 करोड़ रुपये मूल्य का कार्यक्रम प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा संस्थान ने सभी पीएचडी और एमएस छात्रों के लिए 'अनुसंधान और उद्यमिता का परिचय' शीर्षक से एक पाठ्यक्रम और बी.टेक छात्रों के लिए 'नवाचार और उत्पाद विकास' पर एक लघु डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है।

SIH 2024 के लिए 54 मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों, सार्वजनिक उपक्रमों और उद्योगों द्वारा 250 से अधिक समस्या विवरण प्रस्तुत किए गए हैं। इस वर्ष संस्थान स्तर पर आंतरिक हैकथॉन में 240% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई है, जो SIH 2023 में 900 से बढ़कर SIH 2024 में 2247 से अधिक हो गई है, जिससे यह अब तक का सबसे बड़ा संस्करण है। संस्थान स्तर पर SIH 2024 में 86,000 से अधिक टीमों ने भाग लिया है और लगभग 49,000 छात्र टीमों (प्रत्येक में 6 छात्र और 2 संरक्षक शामिल हैं) को राष्ट्रीय स्तर के दौर के लिए इन संस्थानों द्वारा अनुशंसित किया गया है। SIH का ग्रैंड फिनाले विभिन्न मंत्रालयों/सरकारी विभागों के अधिकारियों और छात्रों, शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों के बीच खुली बातचीत के लिए एक मैदान के रूप में भी कार्य करता है।

एसआईएच ने भारत के नवाचार परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया है, छात्रों और पेशेवरों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाया है। इस सफलता को सुनिश्चित करने वाला एक महत्वपूर्ण तत्व एसआईएच पूर्व छात्र नेटवर्क है, जिसने अपने अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए पोर्टल (<https://alumni.mic.gov.in/>) के माध्यम से, परिवर्तनकारी परिणामों को प्रदर्शित करते हुए सफलता की कहानियों को सहजता से प्रलेखित किया है। आज तक, एसआईएच पूर्व छात्रों ने 100 से अधिक स्टार्टअप स्थापित किए हैं, जिनमें से कई के मजबूत सामाजिक आयाम हैं।
